सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 326 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 6 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हार मत मानो ,हमेशा अगला मौका जरूर आता है।
-मैरी कॉम

राजनाथ ने निकोबार में... 8 | आखिर क्यों 'सम्मेद शिखरजी' को... 3 | हरियाणा से किसानों की आवाज... 7

अखाड़ा बना सदन, नारेबाजी...धक्का मुक्की...हाथापाई

दिल्ली के मेयर की कुर्सी के लिए एमसीडी में चलीं कुर्सियां

» मनोनीत पार्षदों को पहले शपथ दिलाने पर आप ने जताया ऐतराज

» सिविक सेंटर में आपस में भिड़ गए भाजपा और आप के सदस्य

» एलजी वीके सक्सेना ने दस पार्षदों को किया है मनोनीत

» आप ने पीठासीन अधिकारी का किया जमकर विरोध

» दोनों दलों के नेताओं ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

हंगामा बंद नहीं होने से दोपहर 1:45 बजे सदन हुआ स्थगित, महापौर का चुनाव टला

नियम के मुताबिक पहले सबसे बड़े दल के सदस्यों को दिलाई जाती है शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मिनी सरकार का मेयर चुने जाने से पहले बवाल हो गया। सिविक सेंटर में महापौर चुनाव के पहले, आम आदमी पार्टी व भाजपा के सदस्यों के बीच नोक-झोक, फिर नारेबाजी और बाद में हाथापाई तक नौबत आ गई। दोनों दलों के पार्षदों ने हंगामा करते हुए सदन में कुर्सियां भी फेंकी। पीठासीन अधिकारी के मनोनीत सदस्यों को पहले शपथ दिलाए जाने से नाराज आप पार्षदों ने विरोध जताया। आप नेताओं ने भाजपा पर जनादेश का अपमान करने का आरोप लगाया है और कहा है कि भाजपा बगैर बहुमत के मेयर की सीट पर डाका डालना चाहती है।

आज दिल्ली मेयर व डिप्टी मेयर के लिए मतदान होना था, लेकिन वोटिंग शुरू होने से पहले, आप और बीजेपी के पार्षदों के बीच सदन में धक्का मुक्की का दौर शुरू हो गया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई और पर्चे उछाले गए। मेयर और डिप्टी मेयर के अलावा स्टैंडिंग कमिटी के 6 सदस्यों का चुनाव भी आज ही होना था। भारी हंगामें के बीच फिलहाल चुनाव को टाल दिया गया है।

गौरतलब है कि डिप्टी मेयर के पद पर मटिया महल वॉर्ड से आप के पार्षद आले मोहम्मद इकबाल का मुकबाला बीजेपी के प्रत्याशी कमल बागड़ी से है, जो राम नगर वॉर्ड से पार्षद हैं। इनके अलावा स्टैंडिंग कमिटी के 6 सदस्यों के पद के लिए 7 उम्मीदवारों ने पर्चे भरे हैं। इनमें आप के 4 और बीजेपी के 2 उम्मीदवार हैं। गजेंद्र दराल ने पहले निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पर्चा भरा था, लेकिन अब वह बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। आप पीठासीन अधिकारी और मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति को असंवैधानिक बता रही है। सदन स्थगित होने के बाद नई तारीख के लिए गेंद फिर से उपराज्यपाल के पाले में चली गई।

“ कुकर्मों को छिपाने के लिए भाजपा की गिरावट जारी है। मनोनीत पार्षदों और पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति गैरकानूनी है।

मनीष सिसोदिया, उपमुख्यमंत्री दिल्ली

“ बीजेपी पार्षदों का खून बहाना चाहती है। चुने हुए पार्षदों के साथ सदन में गुंडागर्दी की जा रही है।

संयज सिंह, सांसद, आप

“ नैतिक रूप से मेयर का चुनाव आम आदमी हार चुकी है। उनको समझ आ गया है कि उनके पार्षद उनका साथ नहीं देंगे। जिस वजह से सदन में हंगामा किया जा रहा है।

मनोज तिवारी, सांसद, भाजपा

कानून का राज होता, तो निवेश के लिए भटकना न पड़ता : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने पूंजीनिवेशक सम्मेलन से पहले सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार भाजपा पर हमलावर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर पूंजी और निवेश के नाम पर सरकार पर निशाना साधा है। सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार पूंजी निवेश लाने के लिए पूंजीनिवेशक सम्मेलन के नाम पर सिर्फ शोर मचा रही है, उसके नतीजों में जीरो आना है।

अखिलेश ने कहा कि पिछली बार भी भाजपा सरकार ने इसी तरह से जोर शोर के साथ इन्वेस्टर्स समिट किया था और लाखों करोड़ के एमओयू होने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर कोई निवेश दिखाई नहीं दिया था। जब देश से पूंजीनिवेश नहीं हुआ तो मंत्रियों, अधिकारियों को विदेशों की सैर कराई गई। कहा कि इसके पूर्व जो निवेशक सम्मेलन हुए उसका रिजल्ट कार्ड कहां है? अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं मुंबई में उद्योगपतियों को उत्तर प्रदेश में लाने के लिए को मनाने गए हैं। उत्तर प्रदेश के हालात देखकर यहां कोई भी उद्योगपति और व्यापारी निवेश को तैयार नहीं हैं। पूंजीनिवेश के मामले में भाजपा सरकार हवा में ही लाठियां भांजती नजर आ रही है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों से यूपी विकास के मामले में लगातार पिछड़ता जा रहा है। हाल ही में वित्तीय वर्ष 2021-22 की विकास दर को लेकर देश के सभी राज्यों का जो आंकड़ा आया है, उसमें उत्तर प्रदेश सबसे नीचे पहुंच गया है। इसके लिए पूरी तरह से भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अब क्या भाजपा सरकार इस नकारात्मक उपलब्धि का उल्टा होर्डिंग लगवाएगी? उन्होंने कहा कि सत्ता संरक्षित अपराधियों और दबंगों का आतंक है। व्यापारी और व्यवसायी लूटे और आतंकित किए जा रहे हैं। सरेआम हत्याएं हो रही हैं। पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में भाजपा सरकार में प्रदेश को नंबर एक पर पहुंचा दिया है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब

अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार में खराब कानून व्यवस्था को सुधारने के बजाय देश में घूम-घूमकर उत्तर प्रदेश और उसकी छवि को बदनाम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में प्रदेश में निवेश करने के लिए सौ बार सोचेगा। सरकार अगर कानून का राज स्थापित करती और सबको सम्मान देती तो उसे पूंजीनिवेश के लिए देश-विदेश में भटकना न पड़ता। निवेशक खुद उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आते। उन्होंने कहा कि पूंजीनिवेश के लिए देश और दुनिया में अपने मंत्रिमंडल के साथ भटक रहे मुख्यमंत्री अपनी सरकार के 6 वर्षों के कार्यकाल में औद्योगिक नीति को ही नहीं स्पष्ट कर पाए। उद्यमियों को यहां आने पर क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी, इस पर जबानी जमा खर्च ही हो रहा है।

राजस्थान में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक और राजस्थान चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा ने राजस्थान चुनाव की तैयारी के मद्देनजर हुई संगठन की अहम बैठक में चुनाव की तैयारी के लिए कमर कसने के निर्देश दिए गए। बैठक में संगठन को कैसे मजबूत बनाना है और जमीनी स्तर पर कैसे काम करना है, ऐसी तमाम योजनाओं और रणनीतियों पर चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं के साथ उनके दिए सुझावों पर चर्चा की गई। इस बैठक का मुख्य लक्ष्य संगठन के सभी लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर बात करना था, जिससे सभी को चुनाव के लिये तैयार किया जा सके।

आप नेताओं ने इस दौरान कहा कि अभी राजस्थान चुनाव में एक साल का समय है, इसलिए इस पूरे समय में सकारात्मकता बनाए रखना जरूरी है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात चुनाव में गुजरात के लोगों ने लड़ाई लड़ी, हम सिर्फ मदद करने का माध्यम थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बदलाव की जरूरत है और राजस्थानवासी होने के नाते यह लड़ाई आप लोगों को लड़ना है। इस लड़ाई में जीत तभी संभव है जब संगठन मजबूत होगा। गुजरात के बाद अब आप राजस्थान विधानसभा चुनाव पर पूरा फोकस करने की तैयारी में है। आप जानती है कि मौजूदा कांग्रेस की सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, ऐसे में पार्टी अपनी रणनीति के तहत राजस्थान में एंट्री करने का मन बना चुकी है।

'अंतर्राज्यीय सीमाओं में बनाए जाएं 50 व 100 बेडों के अस्पताल'

» डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दिये निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में ऐसे सीमावर्ती जिले जहां उपचार के लिए अस्पताल व संसाधन कम हैं। अब वहां रहने वाले रोगियों को इलाज के लिए दूसरे जिलों तक दौड़ नहीं लगानी होगी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने निर्देश दिए कि अंतर्राज्यीय सीमाओं पर 50 व 100 बेड के अस्पताल बनाए जाएं।

पाठक ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अस्पतालों की संख्या व मानकों के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने के लिए जल्द खाका तैयार करें। मुफ्त जांच व इलाज की सुविधा इन अस्पतालों में दी जाएगी। पाठक ने बताया कि जरूरत के हिसाब से विशेषज्ञ डाक्टर, दवाएं व उपकरण आदि की व्यवस्था इन अस्पतालों में होगी। उदाहरण के तौर पर ऐसे जिले जो तराई क्षेत्र में हैं, वहां मच्छर

जनित बीमारियां अधिक फैलती हैं। ऐसे में यहां डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से निपटने के लिए बेहतर इलाज की सुविधा देने पर जोर दिया जाएगा। वहां संक्रामक रोग, पित्ताशय में पथरी व दूसरी गंभीर बीमारियों का भी लाज होगा। इसी तरह प्रदेश जिलों को वहां फैलने वाली बीमारियों के अनुसार विभाजित कर अंतर्राज्जीय सीमाओं पर 50 व 100 बेड के अस्पताल बनाए जाएंगे। हाई-वे पर बहुउद्देश्यीय हब भी बनेंगे और इसमें अस्पताल भी खोले जाएंगे।

चुनावी नहीं विचारधारा की लड़ाई है राहुल की यात्रा : जयराम रमेश

» 'भारत जोड़ो यात्रा' जनता की चिंता समझने की यात्रा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शामली। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' यूपी में अपना सफर पूरा कर चुकी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि ये यात्रा टोयोटा या इनोवा यात्रा नहीं हैं, ये पदयात्रा है। उन्होंने कहा कि हम यूपी में ज्यादा दिन रहना चाहते थे लेकिन हमें कश्मीर तक पहुंचना है।

जयराम रमेश ने राहुल गांधी का नाम लेकर कहा कि 2023 में पश्चिम से पूरब तक ऐसी ही यात्रा निकालने की तैयारी है। इस पर विचार हो रहा है। इसमें हम उन राज्यों में

जाएंगे, जहां इस बार नहीं जा पाए हैं। उन्होंने कहा कि हमें आलोचना सुननी पड़ती है। बीजेपी वाले कह रहे हैं कि इस यात्रा का मकसद क्या है? तो हमारे समाज और लोकतंत्र के सामने तीन बड़ी चुनौतियां और खतरे है। आर्थिक विषमता, सामाजिक ध्रुवीकरण और पीएम की नीतियों के कारण राजनीति बढ़ रही है। ये मन की बात की यात्रा नहीं है, भाषणबाजी का वक्त नहीं है, 'भारत जोड़ो यात्रा', जनता की चिंता समझने की यात्रा है। ये चुनाव जिताओ यात्रा नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा इवेंट नहीं, मूवमेंट है जो चलता रहेगा। विचारधारा की जंग हमें कई साल पहले लड़नी थी, अब आरएसएस का जहर पहुंच गया है जिससे लड़ना है। ये दो विचारधाराओं की टक्कर है। एक बीजेपी-आरएसएस और दूसरी कांग्रेस की। हम एकजुट होकर काम करते रहेंगे। आरएलडी के नेता आए, सपा, बसपा का भी संदेश आया उनका भी समर्थन है। भारत जोड़ो यात्रा विपक्ष की एकता के लिए नहीं है।

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता हाथी पर सवार

» बसपा ने प्रयागराज से मेयर प्रत्याशी किया घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। आखिरकार माफिया अतीक अहमद और बसपा के बीच कई सालों से चली आ रही दूरियां खत्म हो गईं। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने बेटे के साथ मिलकर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता को ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण करते ही उन्हें प्रयागराज के महापौर पद के लिए बसपा की प्रत्याशी के रूप में भी घोषित कर दिया गया। अलोपीबाग स्थित सरदार पटेल संस्थान में बहुजन समाज पार्टी के एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शाइस्ता परवीन अपने पूरे दलबल के साथ पहुंची।

शाइस्ता परवीन ने कहा कि सरकार उनके पति, देवर के साथ मेरे पूरे परिवार व मिलने जुलने वालों को फर्जी केसों में मुकदमा दर्ज करके उत्पीड़न कर रही है। बुलडोजरों से घरों को जमींदोज किया जा रहा है। कहा कि मेरा परिवार व समाज हमेशा बसपा के साथ रहेगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य घनश्याम चंद्र खरवार ने कहा कि पार्टी प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर शाइस्ता परवीन को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई है।

आखिर क्यों 'सम्मेद शिखरजी' को लेकर मचा है देश में बवाल

तीर्थ स्थल और धर्म स्थल में क्या होता है अंतर

आराध्य त्रिपाठी@4पीएम

रांची। पूरे देश में इस समय सम्मेद शिखरजी को लेकर हंगामा मचा हुआ है। मीडिया में भी सम्मेद शिखर की ही खबरें छाई हुई हैं। ये पूरा शोर-शराबा झारखंड सरकार द्वारा जैन धर्म के तीर्थराज सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने पर मचा हुआ है। देशभर में झारखंड सरकार के इस फैसले के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। मगर ये मामला उस समय और भी गरमा गया जब 3 जनवरी को सम्मेद शिखरजी की रक्षा के लिए अन्न-जल त्याग कर अनशन पर बैठे दिगंबर जैन मुनि सुज्ञेय सागर महाराज का निधन हो गया। उसके बाद देश में पहली बार जैन समाज के लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। दरअसल, जैन समाज की मांग है कि 'श्री सम्मेद शिखर' को धार्मिक स्थल ही रहने दिया जाए। इसके पर्यटन स्थल बनने से इस धार्मिक स्थान की पवित्रता भंग हो जाएगी।

जैन समाज का कहना है कि यहां लोग मांस-शराब का सेवन करेंगे, जिससे इसकी पवित्रता नष्ट हो जाएगी। जिसके चलते जैन धर्म के ऐतिहासिक तीर्थ स्थलों पर खतरा बढ़ेगा। जैन समुदाय का ये भी कहना है कि वो अपने तीर्थ स्थलों का व्यापारीकरण नहीं होने देंगे और ऐसे फैसले बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। सम्मेद शिखरजी को लेकर जैन धर्म के लोगों के विरोध-प्रदर्शन के बीच इसे लेकर सियासी बवाल भी छिड़ गया है। ऐसे में अब सबके जेहन में एक सवाल ये भी उठता है कि आखिर पर्यटन स्थल और तीर्थ स्थल में क्या अंतर होता है? और आखिर सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने पर जैन समाज द्वारा इतना हंगामा क्यों किया जा रहा है। तो यहां आपको बताते हैं कि आखिर क्या है तीर्थ स्थल और पर्यटन स्थल में अंतर और क्यों इसे लेकर देश में मचा है इतना बवाल।

पवित्र स्थल कहलाता है तीर्थ

अलग-अलग धर्मों के लिए कुछ जगहें अपने पौराणिक महत्व को लेकर समुदायों के बीच आस्था के केंद्रों के रूप में बहुत पवित्र स्थान रखती हैं। इन्हें ही तीर्थ स्थल कहा जाता है। इन तीर्थ स्थलों पर खान-पान, आचरण और पहनावे को लेकर कुछ नियम-कायदे होते हैं। पर्यटन स्थलों से अलग तीर्थ स्थलों में आध्यात्मिक माहौल में मानसिक शांति पाने के लिए आते हैं।

समाज के लिए सम्मेद शिखरजी के मायने

झारखंड के गिरिडीह जिले में आने वाली राज्य के सबसे ऊंचे पहाड़ पारसनाथ पहाड़ी को सम्मेद शिखरजी के नाम से जाना जाता है। सम्मेद शिखरजी पर जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने देह त्याग कर निर्वाण यानी मोक्ष प्राप्त किया था। इस पहाड़ी का नाम जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पारसनाथ के नाम पर है। जैन धर्म के लिए सम्मेद शिखर सर्वोच्च तीर्थ स्थल है। पारसनाथ पहाड़ी की तराई में मधुबन नाम का कस्बा बसा हुआ है।

क्या है झारखंड सरकार का फैसला

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने 23 जुलाई 2022 को राज्य के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई झारखंड पर्यटन नीति जारी की। इसके तहत पारसनाथ पहाड़ी (सम्मेद शिखर), मधुबन और इटखोरी को पर्यटन स्थल घोषित कर दिया गया। झारखंड सरकार पारसनाथ पहाड़ी के एक हिस्से को वाइड लाइफ सेंचुरी और ईको सेंसिटिव जोन बनाने को लेकर कोशिशें कर रही थीं। इसे लेकर ही बवाल मचा हुआ है।

तीर्थ स्थल के लिए क्या करती हैं सरकारें

अलग-अलग धर्मों के तीर्थस्थलों के लिए राज्य सरकारें संरक्षण से लेकर उनकी धार्मिक शुचिता को बनाए रखने के प्रयास करती है। यूपी सरकार ने बीते कुछ वर्षों में अयोध्या, काशी और मथुरा को तीर्थ क्षेत्र घोषित किया है। इन इलाकों शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाकर पवित्रता और आस्था को संरक्षित किया है। दुनियाभर में ऐसे तीर्थ स्थल हैं, जहां तमाम तरह के प्रतिबंध लागू होते हैं। उदाहरण के तौर पर इस्लाम धर्म के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का में गैर-मुस्लिमों का प्रवेश वर्जित है।

कैसे बनाए जाते हैं पर्यटन स्थल

पर्यटन स्थलों का निर्माण राज्य सरकारें अपने प्रदेश के नागरिकों को रोजगार और व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए करती हैं। किसी इलाके को पर्यटन स्थल घोषित करने के बाद सरकारें विकास योजनाओं के सहारे वहां का सौंदर्यीकरण समेत उस स्थान को पर्यटकों की पहुंच में लाने के लिए सड़क, रेल, हवाई मार्ग जैसी चीजों को विकसित करती है। इससे राज्य सरकार की आमदनी भी बढ़ती है।

किसे कहते हैं पर्यटन स्थल

आमतौर पर पर्यटन स्थलों को टूरिस्ट प्लेस के तौर पर जाना जाता है। पर्यटन स्थल के रूप में लोगों के पास हिल स्टेशन, बीच से लेकर ऐतिहासिक इमारतों तक की एक लंबी-चौड़ी लिस्ट होती है। दरअसल, इन जगहों पर लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के तनाव को कम करने और अपने परिवार के साथ मौज-मस्ती के कुछ पल बिताने या अकेले ही ये तमाम चीजें करने के लिए जाते हैं। पर्यटन स्थलों पर लोगों पर किसी तरह की कोई खास पाबंदी नहीं होती है। आसान शब्दों में कहें, तो खान-पान से लेकर कपड़ों तक को लेकर कोई नियम नहीं होते हैं।

हिंदुत्व-राष्ट्रवाद के मुद्दे को बिहार में भाजपा दे रही धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। देश की राजनीति में बिहार का एक अलग ही अंदाज रहता है। बिहार की राजनीति ने कई बार देश की राजनीति में भी अहम भूमिका निभाई है। कभी बिहार की सत्ता के सिंघासन पर बैठने वाली भाजपा इस समय सत्ता से दूर है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी सत्ता की कुर्सी से पूरी तरह दूर है। भाजपा को सत्ता से दूर करने वाला कोई और नहीं बल्कि वो ही नीतीश कुमार हैं, जिनको भाजपा ने ही सिर्फ 45 सीटें आने के बाद भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था। मगर बाद में उन्हीं नीतीश कुमार ने अपनी फितरत दिखाते हुए पासा बदलकर एक बार फिर आरजेडी से हाथ मिला लिया और भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया। जबकि अपने आप नीतीश अभी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री ही बने हुए हैं। नीतीश के इस कदर भाजपा को सत्ता से बाहर करने के कारण भारतीय जनता पार्टी नीतीश कुमार पर लगातार हमलावर है और उनके फैसले को जनता के जनादेश का अपमान बता रही है।

हाल ही में बिहार पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नीतीश पर जमकर हमला बोला और राज्य के विकास में बाधा के लिए नीतीश कुमार को कसूरवार ठहराया है। इस बीच नड्डा ने ये भी दावा किया कि भाजपा इस बार

प्रदेश में अपने दम पर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कालयजी नेतृत्व में देशभर में जारी विकास यात्रा में कहीं हार पीछे न छूट जाए, इसके लिए यह जरूरी है कि यहां भी पूर्ण बहुमत से विशुद्ध बीजेपी की सरकार बने। अब नड्डा के इस दावे के बाद लगातार ये सवाल भी उठ रहा है कि क्या वाकई में भाजपा बिहार में अकेले दम पर सत्ता हासिल कर सकती है। इसको लेकर हालांकि, लोगों के मन में कई तरह के सवाल हैं, वहीं भाजपा के लिए भी इस मुकाम को पाना कोई आसान काम नहीं है।

जनता के बीच जोर-शोर से किया जा रहा प्रचार

दरअसल, किसी भी पार्टी के लिए इस तरह के दावे करना कोई नहीं बात नहीं है। हर पार्टी हर जगह अपनी ही सरकार बनने का दम्भ भरती रहती है। भले ही परिणाम इन दावों से पूरी तरह से भिन्न नजर आएं। लेकिन बिहार में ये सम्भव है कि नड्डा का दावा सच साबित हो जाए। बिहार में भाजपा की तरफ कुछ समीकरण भी बन रहे हैं। पिछली बार जब विधानसभा चुनाव हुआ, लोगों का पूरी तरह से गुस्सा सवर्ण के खिलाफ था। यही वजह थी कि सभी जातियों ने मिलकर एक साथ बीजेपी के खिलाफ मतदान किया था। लोगों की यह धारणा था कि बीजेपी नीतीश कुमार के चक्कर में दूसरों को महत्व देती है। इसके अलावा, नीतीश ने राज्य की जनता में यह मैसेज दिया कि लोग बीजेपी के खिलाफ हैं। लेकिन आज आलम ये है कि नीतीश और लालू के जुड़ने के बाद क्राइम लगातार तेजी के साथ बढ़ रहा है, अव्यवस्था बढ़ी है। यही वजह है कि लोगों का बीजेपी की तरफ झुकाव हुआ है। दूसरी वजह जेडीयू के नेताओं की बढ़ती महात्वाकांक्षा भी भाजपा के लिए राह आसान करेगी।

जदयू से गठबंधन टूटने के बाद शुरू की कवायद

कहीं भी सत्ता पाने के लिए भाजपा के पास सबसे बड़ा हथियार है हिंदुत्व। भाजपा आज अपने इसी हथियार के दम पर केंद्र समेत कई राज्यों में काबिज है। भाजपा खुद को हिंदुओं की एकमात्र पार्टी बताती है। अब इसी राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के दम पर भाजपा बिहार की सत्ता को भी अकेले दम पर कब्जाना चाहेगी। बिहार में लालू प्रसाद के परिवार को परास्त किया, राम विलास को शिकस्त दी, लेकिन नीतीश अपनी नामसझी के चलते लालू के साथ गए और आरजेडी जिंदा हो गयी। जनता ने इन्हें नकार दिया था। लेकिन बीजेपी को केंद्र की तरह मुखर और प्रखर होना पड़ेगा। बिहार में कभी भी क्षेत्रवाद नहीं रहा। राष्ट्रवाद का मुद्दा हावी रहा। नगर निकाय के चुनाव, विधानसभा चुनाव के उपचुनाव में जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि आगे क्या संकेत है। मुख्यमंत्री नीतीश को लेकर उनकी पार्टी के नेता नाराज है। कयास तो ये भी लगाए जा रहे हैं कि नीतीश की पार्टी के ही 2 नेताओं ने कहा कि वो बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं।

नातीश के बार-बार पाला बदलने को बना रही मुद्दा

बिहार के कुढ़नी विधानसभा उप-चुनाव में बीजेपी की जीत ने भी नड्डा को काफी आत्मविश्वास दिलाया है। क्योंकि इस बात की उम्मीदें काफी कम थीं कि भाजपा यहां पर अपना कमल खिला पाएगी। इसी तरह गोपालगंज विधानसभा में बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की है। ऐसे में बीजेपी अध्यक्ष का जो दावा है वह बहुसंख्य लोग है और धरातल से मेल खाती है। लेकिन इसके लिए बीजेपी को बहुत परिश्रम की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी के आने के बाद हर राज्य की बीजेपी बदल गई, लेकिन बिहार की बीजेपी नहीं बदली। अब कुछ अच्छे चेहरे को लाना पड़ेगा। बीजेपी ने विजय सिन्हा को पहले विधानसभा अध्य बनाया और इसके बाद विधान मंडल दल का नेता घोषित किया। इसी तरह बीजेपी को कुछ चेहरे लाने पड़ेंगे। बिहार में लालू यादव के अलावा नीतीश कुमार ही एकमात्र ऐसे नेता थे जिनकी लोकप्रियता चरम पर थी। भाजपा ने इसी का फायदा उठाकर कई सालों तक सत्ता पर राज भी किया। मगर अब जब नीतीश की लोकप्रियता में भारी गिरावट हो रही है, वहीं भाजपा भी इसी वजह से नीतीश से किनारा करना चाह रही थी। ऐसे में भाजपा को एक बार फिर अब लालू-नीतीश के खिलाफ 90 के दशक वाली लड़नी होगी। ये धारणा थी कि केंद्र में बगैर गठबंधन की सरकार नहीं बनेगी। लालकृष्ण आडवाणी की भी यही सोच थी। लेकिन मोदी की नेतृत्व में सर्वाधिक मुखर और प्रखर पार्टी ने इस मिथक को तोड़ा। यूपी में भी यह करिश्मा कर दिखाया। सपा-बसपा मिलकर लड़े, तब भी बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की और मोदी-शाह के नेतृत्व में यह मिथक टूटा है। महाराष्ट्र जैसी जगह पर लोगों ने बीजेपी को ही बहुमत दिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मौसम की मार

पूरे विश्व में जहां गर्मी के समय तापमान बढ़ रहा है वहीं ठंड में पारा इतना नीचे चला जाता है कहीं कहीं ये शून्य की इकाई के नीचे भी (माइनस) पार कर जाता है। इस ठंड से मानव जीवन तो प्रभावित होता ही है, फसलों पर भी असर होता है। इसकेकारण भारत जैसे कृषि प्रधान देश के आर्थिक हालात भी समस्याओं से दो चार होते है। उत्तर भारत में पिछले एक हफ्ते में तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

पूरी दुनिया इस समय मौसम का बदलाव झेल रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। ठंड के मौसम में पूरा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। आखिर अब मौसम वैज्ञानिकों को यह सोचने को मजबूर होना पड़ रहा कि अचानक इतनी ठंड क्यों बढ़ने लगी है। मौसम से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कियह सब अलनीनो व ग्लोबल वार्मिंग के कारण हो रहा है। पूरे विश्व में जहां गर्मी के समय तापमान बढ़ रहा है वहीं ठंड में पारा इतना नीचे चला जाता है कहीं कहीं ये शून्य की इकाई के नीचे भी (माइनस) पार कर जाता है। इस ठंड से मानव जीवन तो प्रभावित होता ही है, फसलों पर भी असर होता है। इसकेकारण भारत जैसे कृषि प्रधान देश के आर्थिक हालात भी समस्याओं से दो चार होते है। उत्तर भारत में पिछले एक हफ्ते में तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर में तो अगले कुछ दिन भीषण शीतलहर चलने का अनुमान लगाया गया है।

इसी सिलसिले में मौसम विभाग ने इन राज्यों के लिए अलर्ट भी जारी किया था। आईएमडी की यह भविष्यवाणी काफी हद तक सही होती दिखाई दे रही है, क्योंकि पूरे उत्तर भारत में पिछले तीन दिन से न्यूनतम तापमान लगातार नीचे जा रहा है। ऐसे में आम लोग इस बात को लेकर चिंता में हैं कि आखिर इस ठंड का प्रकोप कब तक चलेगा और दिसंबर के मध्य में सर्दी अचानक इतना क्यों बढ़ गई? विशेषज्ञों की मानें तो भारत में इस साल भीषण ठंड के पीछे एक वजह आल नीना का प्रभाव है। अमेरिकन जियोसाइंस इंस्टिट्यूट के मुताबिक, अल नीनो और ला नीना शब्द का संदर्भ प्रशांत महासागर की समुद्री सतह के तापमान में समय-समय पर होने वाले बदलावों से है। इसका प्रभाव दुनिया भर में मौसम पर पड़ता है। सीधे शब्दों में समझा जाए, तो अल नीनो की वजह से तापमान गर्म होता है और ला नीना के कारण ठंडा। दोनों आमतौर पर 9-12 महीने तक रहते हैं, लेकिन असाधारण मामलों में कई वर्षों तक रह सकते हैं। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर क्षेत्र के सतह पर निम्न हवा का दबाव होने पर ये स्थिति पैदा होती है। इसकी उत्पत्ति के अलग-अलग कारण माने जाते हैं, लेकिन सबसे प्रचलित कारण ये है कि यह तब पैदा होता है, जब ट्रेड विंड यानी पूर्व से बहने वाली हवा काफी तेज गति से बहती हैं। इससे समुद्री सतह का तापमान काफी कम हो जाता है। इसका असर दुनियाभर के तापमान पर होता है और तापमान औसत से अधिक ठंडा हो जाता है। ला नीना से आमतौर पर उत्तर-पश्चिम में मौसम ठंडा और दक्षिण-पूर्व में मौसम गर्म होता है। भारत में इस दौरान भयंकर ठंड पड़ती है और बारिश भी अच्छी होती है। ला नीना की वजह से ही पूर्व में स्थित रूस के साइबेरिया और दक्षिण चीन की ठंडी हवाएं भारतीय उपमहाद्वीप की तरफ आती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भाजपा की मुश्किलें बढ़ाएगी उमा भारती

हेमंत पाल

मध्य प्रदेश में भाजपा को इस बार के विधानसभा चुनाव में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। यह पार्टी लंबे समय से सरकार में है, इसलिए एंटी कंबेंसी तो स्वाभाविक है। ऐसी सरकार से लोग उम्मीद भी करते हैं और नाउम्मीद भी जल्दी होते हैं। इसके अलावा और जो चुनौतियां है, उनमें सिंधिया गुट के लोगों और मूल भाजपा के लोगों में आंतरिक खींचतान भी एक है। जहां से सिंधिया गुट के लोग चुनाव लड़ेंगे, वहां सेबोटेज से इंकार नहीं किया जा सकता। लेकिन, इससे भी बड़ी चुनौती वो है, जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा रहा और न भाजपा उसे गंभीरता से ले रही है। वह चुनौती है उमा भारती का बदलता नजरिया! अब वे खुलकर मैदान में आने की तैयारी में हैं। शराबबंदी की मांग को लेकर उन्होंने 17 जनवरी से आर-पार की लड़ाई की चेतावनी भी दे दी।

पार्टी के अंदर सुलग रही उमा भारती लंबे समय से अलग-अलग तरीकों से भाजपा को परेशान करने में लगी हैं। न सिर्फ संगठन को, बल्कि सरकार को भी वे अपने शराबबंदी अभियान से परेशान कर रही हैं। कई बार उन्हें शराब की दुकानों पर पत्थर चलाते देखा जाता है। बात यहीं तक सीमित नहीं है। वे रायसेन के किले में पहुंचकर वहां पुरातत्व विभाग को पुरातन शंकर मंदिर खोलने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने पिछले दिनों ओंकारेश्वर के ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आकर वहां लगी रेलिंग उखाड़ दी। शिवलिंग और नंदी के बीच यह रेलिंग क्यों लगाई गई! पुरातन मंदिरों के संरक्षण का आशय यह नहीं कि पुरातत्व विभाग पुजारियों की बात की अनदेखी करे। निस्संदेह यह उमा भारती की सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। पिछले दिनों उमा भारती ने अपने समाज के एक कार्यक्रम में संदर्भ से अलग हटकर वहां मौजूद लोगों से कहा कि वे उनके कहने से भाजपा को वोट न दें! उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे पार्टी से बंधी हैं, इसलिए वे तो भाजपा को वोट देने के लिए कहेंगी, लेकिन उन्हें जिस भी पार्टी को देना है, उनको वोट दें। इसका सीधा-सा मतलब समझा जा सकता है कि वे मध्यप्रदेश के 9 फीसदी लोधी वोटरों को भाजपा से काटना चाहती हैं, जो अभी तक भाजपा के साथ रहे हैं।

जिसके पीछे उमा भारती रही हैं। चुनावी साल में उनका ये मुद्दा अंडर करंट बन सकता है। उमा भारती के इस अभियान को महिलाओं का समर्थन मिल रहा है। भाजपा का मजबूत माना जाने वाला महिला वोट

बैंक यदि उससे छिटका तो बदलावकारी हो सकता है। उमा भारती साध्वी हैं, पर उससे ज्यादा राजनीतिक हैं। वे जिस लोधी समाज से आती हैं, उसका मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड इलाके के अलावा उत्तर प्रदेश के बड़े इलाके में दबदबा है। इस समाज के वोटर विधानसभा की कई सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं। लोधी वोटरों की 9 फीसदी ताकत का भाजपा से टूटना पार्टी के लिए बड़ा खतरा है। 230 सीटों वाली विधानसभा में 50 से ज्यादा सीटें ऐसी हैं, जहां लोधी वोटर सारे समीकरण प्रभावित कर सकते हैं। उमा भारती के बदलते तेवरों के पीछे कोई बड़ी रणनीति का संकेत मिलने लगा है। वे अपनी राजनीतिक ताकत से पार्टी नेतृत्व को ये संदेश भी दे रही हैं कि लोधी समाज को हाशिए पर रखकर भाजपा प्रदेश में फिर से सरकार नहीं बना सकती। उमा भारती की राजनीति का अपना एक अलग तरीका है। वे भाजपा का सामने खड़े होकर विरोध न करके भी भाजपा के खिलाफ परोक्ष रूप से दांव चल रही हैं। वे भाजपा के उस 'राम अभियान' को भी चोट पहुंचा रही हैं, जो पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यहां तक कहा कि राम और हनुमान भाजपा के कॉपीराइट नहीं हैं। यह दोनों भगवान पुरातन काल से हिंदुओं की आस्था के प्रतीक रहे हैं और इन्हें भाजपा ने नहीं बनाया। उन्होंने अपनी बात साबित करने के लिए कई तर्क दिए। जहां तक तर्कों की बात है, उमा भारती के सामने कोई खड़ा नहीं हो सकता। क्योंकि, वे बचपन से धार्मिक प्रवचनकार रही हैं। इसलिए उन्हें वे सारे धार्मिक ग्रंथ कंठस्थ हैं, जिनके आधार पर वे कभी भी किसी से भी बहस कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस के लोगों ने राम मंदिर के लिए चंदा दिया और भाजपा के लोगों ने उसका विरोध किया था, तब सबसे पहले मैंने ही कहा था कि राम सबके हैं राम के भक्त कहीं भी हो सकते हैं।

दरअसल, पार्टी या सरकार किसी ने भी अभी तक उनके शराबबंदी अभियान को लेकर कुछ नहीं कहा। किसी अन्य मामले में भी पार्टी और सरकार दोनों चुप हैं। जबकि, उमा भारती ने कई बार कानून भी हाथ में लिया, पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि यह कोई आम आदमी करता, तो अभी तक उसे जेल में डाल दिया जाता। जिस पुरातत्व विभाग को पुरातन मंदिरों की देखरेख करने की जिम्मेदारी मिली है, उनके काम में हस्तक्षेप भी इसी तरह का एक मामला है।

कारगर जैव विविधता तंत्र से बचेगी दुनिया

देविंदर शर्मा

कनाडा के मॉन्ट्रियल में संपन्न हुई 15वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-15) अधिवेशन में नई राह खोलने वाला जैव-विविधता रूपरेखा प्रस्ताव पारित हुआ है। करीब चार साल तक चली सहमति प्रक्रिया के बाद यह समझौता तैयार हुआ है। इसके तहत वर्ष 2030 तक 23 वैश्विक ध्येयों की प्राप्ति करने का संकल्प लिया गया है। यह नजरिया वर्ष 2050 आने तक दुनिया को अपने तौर-तरीकों को कुदरत के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए तैयार करेगा। नव-निर्मित रूपरेखा का उद्देश्य जैव-विविधता में हो रहे ह्रास को रोकना और पुनर्निर्माण करना है। आज विश्व बहुत नाजुक पर्यावरण चरण से गुजर रहा है, परिणामस्वरूप धरती पर प्राणी-जीवन छठवीं बार विलुप्त होने की नौबत बनने लगी है। बहुत बड़ी मात्रा में हुआ जैव-विविधता का ह्रास, जिसको अमेरिकी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने 'जैविक प्रलय' का नाम दिया है, एक मानव-निर्मित संकट है और इससे अगले कुछ दशकों में 10 लाख से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है।

इस बारे में जैव विविधता रूपरेखा समझौता मील का पत्थर हो सकता है, इस महत्वाकांक्षी ध्येय की प्राप्ति हेतु समयबद्ध सीमारेखा तय की गई है और इससे पृथ्वी के औसत तापमान में हो रही वृद्धि को नाथने वाले प्रयासों को भी बल मिलेगा। नि:संदेह, जैव-विविधता और पर्यावरण बदलाव का आपस में गहरा रिश्ता है। लगातार बिगड़ते जा रहे मौसमीय संकट को बतौर मददगार एक फलती-फूलती जैव-विविधता की सख्त जरूरत है। इसलिए मुझे लगता है कि इस ऐतिहासिक जैव-विविधता संधि को 'पेरिस पैक्ट' के विस्तार की तरह देखना ज्यादा मुनासिब होगा। मांट्रियल रूपरेखा और पेरिस संधि, दोनों का कदमताल। वैश्विक जैव-विविधता रूपरेखा में जिस किस्म का रूपांतर उकेरा गया है, उसके मुताबिक 2030 तक पृथ्वी के कुल भू-भाग का जितना नुकसान पिछले कई दशकों में हुआ है, उसके 30 फीसदी भाग का पुनर्निर्माण करना है क्योंकि फिलहाल महज 17 प्रतिशत ही सही बचा है, इसी तरह बुरी तरह प्रदूषित हो चुके महासागरों की पर्यावरणीय सुरक्षा में 30 प्रतिशत हिस्सा यकीनी बनाना है। इसके लिए फायदे की बजाय नुकसान ज्यादा करने वाली सब्सिडी व्यवस्था में 500 बिलियन डॉलर की सालाना कटौती की जानी है। साथ ही 2030 तक कीटनाशकों के इस्तेमाल में 50 प्रतिशत की कमी लानी है। इससे किसी क्षेत्र में 'दूसरे ग्रह से आए जैसे लगने वाले बाहरी कीटों' की आमद आधी हो सकेगी, यह होने का एक फायदा टिकाऊ विकास का खाका खींचा जाना भी है। नई संधि में जनजातीय लोगों और वन-वासियों के अधिकारों को यथावत बनाए रखने की बात भी है। मॉन्ट्रियल रूपरेखा को साकार करने में हर साल सरकारें, निजी क्षेत्र और भलाई संस्थानों के वित्तीय सहयोग से 200 बिलियन डॉलर का आर्थिक सहायता फंड बनाया जाएगा। एक सघन निगरानी तंत्र भी अपनी जगह बैठाया गया है ताकि धन का इस्तेमाल उचित ढंग से होना सुनिश्चित रहे और ठीक इसी समय सदस्य देशों पर कड़ी निगरानी रहेगी कि वे रूपरेखा के प्रावधानों पर सही अमल कर रहे हैं या नहीं।

कुन्मिंग-मॉन्ट्रियल जैव-विविधता रूपरेखा और 2010 में उल्लेखित आइची जैव विविधता ध्येय (जो अधिकांशत: अनजान रहा) में सबसे बड़ा फर्क यह है कि नए तंत्र में निगरानी व्यवस्था शामिल की गई है। हालांकि ध्येय वैश्विक हैं किंतु ध्येय प्राप्ति को मूर्त रूप देना विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अपने राष्ट्रीय हित में होगा। हालांकि बात जब 2030 तक कीटनाशकों का इस्तेमाल आधा करने की आई तो ब्राज़ील, अर्जेंटाइना और भारत असहज हो उठे, लेकिन उम्मीद है कि सार्वजनिक दबाव नीति नियंताओं को संधि के सिद्धांतों के अनुरूप रूपांतर करके नीतियों को व्यावहारिक बनाने को मजबूर करेगा। औद्योगिकीकृत-कृषि व्यवस्था दुनियाभर के वन-क्षेत्र में तबाही की 80 प्रतिशत जिम्मेवार है, जिसकी वजह से भू-स्रोतों का 52 प्रतिशत हिस्सा बदतर होता गया। इससे खतरे में पड़ी 28000 प्रजातियों में 86 फीसदी के विलुप्त होने की नौबत आ गई है। इस ह्रास की क्षतिपूर्ति खाद्य व्यवस्था का स्वरूप बदले बिना संभव नहीं है। हालांकि बढ़ता डिजिटलीकरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रॉबोटिक्स और स्वचालित प्रणाली जिस तेजी से लाई जा रही है, उससे औद्योगिकीकृत खाद्य मूल्य शृंखला आगे और बलवान होगी। बहुत से अंतर्राष्ट्रीय संगठन और एजेंसियां समय-समय पर खतरे की घंटी बजाते आए हैं, नई जैव-विविधता रूपरेखा सदस्य देशों के लिए अपनी कृषि-नीतियों के पुनर्निर्माण में सहायक होगी। लेकिन यह करना उतना आसान है नहीं, जितना लग रहा है। कृषि-आधारित-व्यापार वाले उद्योगपतियों की लॉबी इतनी ताकतवर है कि इस किस्म के प्रयासों को सिरे चढ़ने ही न दे। उदाहरणार्थ सब्सिडी व्यवस्था घटाने का अर्थ होगा- कृषि के बड़े औद्योगिक घरानों के प्रभुत्व का लगातार सिमटना, क्या वे ऐसा होने देंगे? जबकि इनकी करतूतों से ही मिट्टी और पर्यावरण का इतना ज्यादा नुकसान हुआ है। हालांकि, अब खाद्य व्यवस्था का रूपांतर मित्र खेती की ओर होने के काफी प्रमाण हैं, फिर भी, प्रकृति आधारित हल की राह जो जैव विविधता बचाए और ह्रास की क्षतिपूर्ति भी करे इसमें काफी रुकावटें आएंगी। जहां यूरोपियन यूनियन ने साझा कृषि नीति (कैप) के तहत वर्ष 2023 से टिकाऊ और लचीली कृषि लिए 249 बिलियन यूरो की मदद देने की घोषणा की है वहीं कृषि-व्यापार के धंधेबाजों ने अभी से डर का माहौल बनाना शुरू कर दिया है कि इससे खाद्य सुरक्षा संकट बनेगा।

यूरिक एसिड बढ़ने से हो सकती है गाउट की समस्या

यूरिक एसिड की समस्या काफी तेजी से बढ़ती हुई रिपोर्ट की जा रही है। शरीर में यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना गाउट जैसी दर्दनाक समस्याओं का प्रमुख कारण मानी जाती है। यूरिक एसिड, एक प्रकार का रसायन है जो शरीर में प्यूरीन नामक पदार्थ के ब्रेक डाउन की स्थिति में बनता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार पर ध्यान न रखने के कारण लोगों में इस तरह की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। बढ़े हुए यूरिक एसिड की स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यूरिक एसिड को कम करने के लिए दवाओं के साथ सही आहार और कुछ व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है। योग के नियमित अभ्यास से न सिर्फ यूरिक एसिड को कंट्रोल कर सकते हैं साथ ही योग, इसके कारण होने वाली जटिलताओं जैसे दर्द और गाउट के जोखिमों से बचाने में भी लाभकारी है। विशेषज्ञों ने पाया कि रोजाना योग करने वाले लोगों में स्वाभाविक रूप से यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या का जोखिम कम होता है।

योगासनों से पा सकते हैं आराम

गोमुखासन

गोमुखासन को विशेषज्ञ अत्यंत लाभकारी अभ्यासों में से एक मानते हैं। पीठ एवं बांहों की मांसपेशियां को मजबूत बनाने के साथ-साथ बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए गोमुखासन योग का अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। इसे गाउट की समस्या में आराम दिलाने और जोड़ों के लिए भी कारगर अभ्यास के तौर पर जाना जाता है।

उष्ट्रासन

यूरिक एसिड के बढ़ जाने के कारण एड़ी, कमर, गर्दन, घुटने आदि में तेज दर्द होता है। इस तरह की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए उष्ट्रासन योग के अभ्यास को लाभदायक माना जाता है। पेट के निचले हिस्से से अतिरिक्त चर्बी कम करने के साथ कमर और कंधों को मजबूत बनाने में भी इस योग को काफी कारगर माना जाता है। उष्ट्रासन से गर्दन और पीठ के दर्द को कम करने में भी लाभ पाया जा सकता है।

प्राणायाम

सभी लोगों को दिनचर्या में प्राणायाम के अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए, इससे सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य ही नहीं कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं में भी लाभ पाया जा सकता है। यूरिक एसिड और इसके कारण होने वाली गाउट की दिक्कत को कम करने में भी इससे लाभ मिलता है। प्राणायाम से शरीर में रसायनों का संतुलन बेहतर बना रहता है जिससे यूरिक एसिड के लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने के मुख्य लक्षण

हमारे शरीर में यूरिक एसिड की कमी होने पर या इसके बढ़ने पर दिखने वाले लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। जब शरीर में लंबे समय तक यूरिक एसिड का लेवल बढ़ा रहता है तो इसे कई गंभीर समस्याएं होने लगती हैं। इसकी वजह से शरीर में कई समस्याएं जैसे जोड़ों में दर्द, गठिया आदि की समस्या हो सकती है। यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने पर दिखने वाले प्रमुख लक्षण इस प्रकार से हैं।

- जोड़ों में गंभीर दर्द और सूजन।
- जोड़ों को छूने पर दर्द होना।
- किडनी से जुड़ी गंभीर समस्याएं।
- किडनी स्टोन की समस्या।
- पीठ में गंभीर दर्द।
- बार-बार पेशाब आना।
- उठने-बैठने में परेशानी होना।
- उंगलियों में सूजन आना।

हंसना मना है

संजू: पापा मुझे स्कुल छोड़ने, आप क्यों आते हो? मेरे सभी दोस्तों को छोड़ने तो उनकी मम्मी आती है, पापा: बस इसीलिए बेटा।

पति पत्नी मंदिर मे पूजा करने गये, पति: तुमने क्या मांगा? पत्नी: कि आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति: भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

एक बार पति की तबियत बहुत ख़राब थी, पति: काम वाली शांति को बुलाओ, पत्नी: क्यों? पति: डॉक्टर ने कहा है कि दवा खाकर शांति के साथ सो जाना।

हर आदमी का सपना: 7 अंको में सॅलरी, 6 अंको में बचत, 5 बेडरूम वाला घर, 4 पहियों की गाड़ी, 3 हसे की छुट्टियां, 2 प्यारे बच्चे, 1 गूंगी बीवी।

एक लड़का, लड़की देखने गया, बहुत देर से सूसू रोक के रखे हुए था, बाद में लड़की से बोला, सूसू करने की जगह दिखाओ, लड़की (शरमाकर): नहीं, पहले आप दिखाओ।

जरुरी नहीं की कुत्ता ही वफादार निकले.. वक्त आने पर, आपका वफादार भी कुत्ता निकल सकता है!

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराजा अकबर से पूछते हैं, 'महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं, 'तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको अच्छे कामों के लिए सम्मानित किया जायेगा। आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की कोशिशों में भी सफल रहेंगे, कारोबार में तरक्की होगी।

वृषभ

आपके दोस्त आपका परिचय आज के दिन किसी खास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल खुशनुमा कर देगा।

मिथुन

लेन-देन में सावधानी रखें। ऑफिस में मेहनत ज्यादा रहेगी। कोई सफलता भी मिलने के आसार नहीं है। पुराने रोग उभर कर आएंगे। खाने-पीने में सावधानी रखें।

कर्क

आज स्वभाव में उग्रता और क्रोध रहने के कारण आपको काम करने में मन नहीं लगेगा। वाद-विवाद में अपने अहम के कारण किसी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है। बिजनेस में तरक्की मिलेगी। साहित्य से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। आपको अपने उच्च अधिकारियों से सहयोग मिलेगा।

कन्या

ध्यान से वाहन चलाएं, खास तौर पर तेज मोड़ों और चौराहों पर अन्यथा दुर्घटनी घट सकती हैं। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें।

तुला

निवेश सोच-समझकर करें। नौकरीपेशा लोग कामकाज न टालें। कुछ लोगों से मदद मिल सकती है। धन और परिवार के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक

आज आपको अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है। समय की पाबन्दी आपके व्यक्तित्व में चार-चांद लगा देगी। धन संबंधित आपके प्रयास सफल होंगे।

धनु

आज बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए फायदे का दिन है। कारोबार में लाभ होने के आसार हैं। महिला कारोबारियों के दिन उत्तम हैं। तरक्की मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर

किसी ऊंचे और ख़ास इंसान से मिलते समय घबराएं नहीं और आत्मविश्वास बनाए रखें। यह सेहत के लिए उतना ही जरूरी है, जितना काम-धंधे के लिए पैसा।

कुम्भ

नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। अधिकारियों से मदद मिलेगी। साथ के लोग भी आपके कामकाज में मदद कर सकते हैं। अपनी सेहत का ध्यान रखें।

मीन

आज का दिन आपके लिए अच्छा है। तन-मन की ताजगी के अनुभव के साथ आज की शुरुआत होगी। अच्छे कपड़े पहनकर बाहर जाने का प्रसंग खड़ा होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

कभी छोटे किरदार नहीं निभाऊंगा : नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे लेकिन खास और अहम रोल निभाकर की थी। आज वह ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं कि फिल्मों में उन्हें ध्यान में रखकर किरदारों को रूप दिया जाने लगा है। आज नवाजुद्दीन सिद्दीकी जिस मुकाम पर हैं, यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने लंबा सफर तय किया है। अब वो ना सिर्फ बॉलीवुड में बल्कि एक एक्टर के तौर पर अपना टैलेंट अमेरिकी फिल्म में भी साबित कर रहे हैं। वह एक अमेरिकी फिल्म (लक्ष्मण लोपेज, रॉबर्टो जिरालट की निर्देशित) का हिस्सा भी जिसमें वह बतौर हीरो नजर आने वाले हैं। छोटे-छोटे रोल्स निभाकर लोगों के दिलों पर आज राज करने वाले नवाजुद्दीन अब अमेरिकी फिल्म 'लक्षमण लोपेज' में भी अपना दमखम दिखाने वाले हैं। इस फिल्म को रॉबर्टो जिरालट ने डायरेक्ट किया है। नवाजुद्दीन का कहना था कि वह तब तक विदेशी फिल्मों में काम नहीं करेंगे जब तक उन्हें फिल्म में हीरो बनने का चांस नहीं मिलता। हाल ही में नवाज ने अपने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वो कभी छोटे-मोटे किरदारों को नहीं नहीं निभाएंगे। भले ही कोई उन्हें करोड़ों की फीस दें। नवाजुद्दीन ने अपने एक इंटरव्यू में बताया, 'अब मैं छोटे रोल नहीं निभाऊंगा भले ही कोई मुझे 25करोड़ देंगे तो भी नहीं करूंगा। मैंने अपने अब तक के एक्टिंग करियर में कई फिल्मों में काम किया है। बल्कि कई फिल्मों में तो मैंने छोटे-मोटे रोल भी प्ले किए हैं। लेकिन अब आप मुझे 25 करोड़ भी देंगे तो भी छोटा रोल नहीं करूंगा। मेरा मानना है कि अगर आप अच्छा काम करते हो तो पैसा, फेम और काम खुद आपको मिल जाएगा। इसलिए जो भी काम करो अच्छा करो। अपने एक्टिंग करियर में नवाज ने कई दमदार किरदार निभाए हैं। बावजूद इसके वह आज भी अपने काम पर और ज्यादा फोकस करना चाहते हैं।

शाहरुख खान ने दीपिका को पठान का लुक शेयर कर किया बर्थडे विश, कहा-

तुम पर प्राउड है

दीपिका पादुकोण के 37वें जन्मदिन पर शाहरुख खान ने उन्हें खास अंदाज में बधाई दी। दरअसल बॉलीवुड के किंग खान ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर दीपिका के बर्थडे के मौके पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में दीपिका काफी इंटेंस और फायरी लुक में नजर आ रही हैं।

पोस्टर शेयर करने के साथ शाहरुख ने दीपिका के लिए लिखा नोट

पोस्टर में दीपिका हाथ में गन लिए एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। वहीं शाहरुख खान ने पोस्टर शेयर करने के साथ एक नोट भी लिखा है। एसआरके ने लिखा, माई डियरेस्ट दीपिका पादुकोण के लिए, आप हर पॉसिबल अवतार में स्क्रीन के मालिक बनने के लिए कैसे इवोल्व हो जाती हैं! हमेशा प्राउड और हमेशा विश करता हूं कि आप नई ऊंचाइयों को छूएं... हैप्पी बर्थडे... लॉट्स ऑफ लव। बता दें कि तमाम विवादों से घिरी शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर एक्शन थ्रिलर 'पठान' 25 जनवरी को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'पठान' शहरुख और दीपिका की एक साथ चौथी फिल्म हैं। दीपिका पादुकोण ने 2007 में आई फिल्म 'ओम शांति ओम' में शाहरुख खान के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने हैप्पी न्यू ईयर और चेन्नई एक्सप्रेस में किंग खान के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

बॉलीवुड | गपशप

राजामौली को मिला बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड

फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर के साथ एक के बाद एक नए सफलता हासिल कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड अपने नाम किया। निर्देशक ने अपनी पत्नी रमा राजामौली, बेटे एसएस कार्तिकेय और परिवार के साथ अवार्ड शो में शिरकत की।एसएस राजामौली ने अवॉर्ड स्वीकार किया और बताया कि आरआरआर को वेस्ट में भी वैसा ही प्यार मिला जैसे भारत में मिला था। जब सर्वश्रेष्ठ निर्देशक अवॉर्ड के लिए उनके नाम की घोषणा की गई तो निर्देशक को दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन भी मिला। इस दौरान राजामौली ने क्रीम शाल के साथ ग्रे कुर्ता पायजामा में नजर आए। अपनी एक्सेप्टेंस स्पीच में

राजामौली ने कहा, सिनेमा एक मंदिर की तरह है। उन्होंने आगे कहा, आरआरआर के साथ, मैंने पश्चिम में उसी तरह का स्वागत देखा। वे भारतीयों की तरह ही प्रतिक्रिया दे रहे थे। आरआरआर के महाकाव्य पूर्व-अंतराल अनुक्रम के बारे में बात करते हुए, बाहुबली निर्देशक ने कहा, यह विस्मय का शुद्ध आनंद था, जैसा कि हमने अभी देखा है। मैं चाहता हूं कि मेरे दर्शक महसूस करें।

कार्तिकेय ने अवॉर्ड समारोह से अपने पिता की कुछ तस्वीरें साझा की और लिखा, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक। इन तस्वीरों में राजामौली अपनी पत्नी के साथ अवॉर्ड के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। निर्देशक पहले से ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं और प्रशंसक भारत को गौरवान्वित करने के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे हैं।

अजब-गजब | सूसान केली थी दुनिया की सबसे अजीब महिला

बड़े से बड़ा कॉमेडियन इनको नहीं हंसा पाया

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं होगा जो हंसता न हो। हर किसी को कभी न कभी हंसी आ ही जाती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी महिला के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे कोई हंसा नहीं सका। यही नहीं इस महिला को हंसाने में बड़े-बड़े कॉमेडियन भी फेल हो गए थे। दरअसल, हम बात कर रहे हैं 1880 से 1930 के दशक में चलने वाले वॉडविले की जो अमेरिकी में उस दौर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय रूप थ। शायद इसे आधुनिक अमेरिकी पॉप संस्कृति का पूर्व नाम दिया जा सकता है। बता दें कि वॉडविले में सामान्य रूप से हंसाने वाले छोटे कृत्यों की एक अनेक श्रृंखला शामिल हैं जो 6 से 15 मिनट लंबी होती थी। हालांकि उस समय में हर अपेक्षाकृत बड़े शहर में अपना स्वयं का वॉडेविले थियेटर था। न्यूयॉर्क के लिए हैमरस्टीन था। दरअसल, विक्टोरिया थिएटर 19 वीं शताब्दी के अंत में थियेटर मोगुल ऑस्कर हैमरस्टीन द्वारा खोला गया न्यूयॉर्क का एक प्रमुख अमेरिकी वाडेविले घर था। बाद में इसके ऊपर पैराडाइज रूफ गार्डन बनाया गया। उसके बाद दोनों स्थानों को सामूहिक रूप से हैमरस्टीन के नाम से जाना जाने लगा। साल 1904 से 1914 तक यह घर ऑस्कर के बेटे विली हैमरस्टीन ने चलाया। विली हैमरस्टीन अत्यधिक लोकप्रिय वॉरविले कृत्यों पर काम करते थे। जिनमें से एक

कुख्यात सोबर सू एक्ट भी था। इसी दौरान साल 1907 में सोबर सू के उपनाम से एक कलाकार रूफ गार्डन में मंच पर दिखाई देने लगा, उसे जो लड़की कभी हंस नहीं सकती के रूप में संदर्भित किया जाता था। थिएटर के निर्माताओं ने उसे 1000 डॉलर का पुरस्कार देने का एलान किया, जो सोबर सू के चेहरे पर मुस्कान ला दे। सबसे पहले, दर्शकों में से कुछ लोग मंच पर आए और मजाकिया चेहरे बनाए या अपने सबसे अच्छे चुटकुले सुनाए। लेकिन उसपर इसका कोई असर नहीं हुआ। सोबर सू का चेहरा गंभीर बना रहा। इसके बाद, पेशेवर हास्य कलाकारों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने उसे हंसाने की बहुत कोशिश की लेकिन वो भी असफल रहे। किसी भी तरह से सोबर सू के चेहरे पर मुस्कुराई नहीं आई। सोबर सू के भावहीन चेहरे के बारे में विभिन्न सिद्धांत निकाले गए। कुछ लोगों ने कहा कि वह आंशिक रूप से अंधी या बहरी थी, लेकिन सच्चाई आखिरकार 1907 में सामने आई। सू के लिए मुस्कुराना या हंसना असंभव था, क्योंकि उसके चेहरे की मांसपेशियां लकवाग्रस्त थीं। बाद में यह पता चला कि वॉडविले घोटाले को विली हैमरस्टीन ने किया था। जो पैराडाइज रूफ गार्डन का प्रबंधन करता था। विली हैमरस्टीन ने सोबर सू को प्रति सप्ताह 20 डॉलर देता था, जो उस समय कम नहीं था। बता दें कि सोबर सू की कोई तस्वीर नहीं है। ऐसा माना जाता है कि सू का वास्तविक नाम सुसान केली था और वह मोबियस सिंड्रोम से पीड़ित थीं। ये एक दुर्लभ स्थिति है जिसमें सिर की नसें कमजोर होती हैं।

ग्रांड बैंक्स में पूरे साल छाया रहता कोहरा सूरज की झलक के लिए भी तरसते हैं लोग

उत्तर भारत में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके साथ ही कोहरा भी अपना रंग दिखा रहा है। कोहरे के कारण यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। कोहरे की वजह से रेलवे को रोजाना तमाम ट्रेनों को रद करना पड़ रहा है या फिर उनके समय में परिवर्तन करना पड़ रहा है। इसके साथ ही सड़क हादसे भी बढ़ गए हैं। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि उत्तर भारत में ही नहीं बल्कि कि दुनिया में ऐसे कई स्थान है जहां सालभर कोहरा रहता है। यानी यहां पूरे साल लोगों को सूरज के दर्शन नहीं होते। ये बात यकीनन आपको हैरान कर रही होगी, लेकिन पृथ्वी पर ऐसे ही कई स्थान मौजूद है जहां सबसे ज्यादा कोहरा रहता है। तो चलिए सबसे पहले जानते हैं कि आखिर कोहरा होता है क्या है और ये बनता कैसे है। जिसकी वजह से हमें कोहरे में कुछ भी दिखाई नहीं देता। दरअसल, विज्ञान की भाषा में कहें तो कोहरा एक तरह का बादल ही है। लेकिन ये वैसा नहीं होता है जैसे बादल आसमान में दिखाई देते है। यह बादल के उठने और बनने के बीच की एक स्थिति होती है। जहां हवा एक निश्चित मात्रा में गैसीय अवस्था में पानी या जलवाष्प को पकड़ सकती है। जैसे-जैसे हवा में पानी की मात्रा अधिक होती जाती है वैसे वैसे हवा और अधिक नम हो जाती है। जब ये आर्द्र हवा ऊपर उठकर ठंडी होती है तो इसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर यानी जल अपने गैसीय रूप से वापस द्रव रूप में आ जाता है। इसमें जल की छोटी-छोटी बूंदें बनाती है। इसके बाद अनुकूल परिस्थितियां होने पर जलवाष्प वाली हवा बिना ऊपर उठे ही पानी की छोटी-छोटी बूंदों में बदल जाती है और वातावरण में ये सूक्ष्म कण तैरने लगते हैं। इससे चारों ओर एक सफेद परत बन जाती है और आसपास की चीजें साफ दिखाई देना बंद हो जाती है। ऐसी स्थिति को ही कोहरा कहा जाता है। अगर दुनिया में सबसे ज्यादा कोहरे की बात करें तो अमेरिका में कनाडा के न्यूफाउंडलैंड द्वीप के पास ग्रांड बैंक्स नाम की जगह पर सबसे ज्यादा कोहरा होता है ये स्थान अटलांटिक महासागर से मिलता है। यह दुनिया की सबसे ज्यादा कोहरे वाली जगह है। इसके अलावा दुनिया की कई और भी जगहें हैं जहां बेहद घना कोहरा छाया रहता है।

सम्मेद शिखरजी के आमरण अनशन में दूसरे जैन मुनि की मौत

सुज्ञेय के बाद समर्थ सागर ने त्यागे प्राण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सम्मेद शिखर को बचाने के लिए आमरण अनशन पर बैठे दूसरे जैन मुनि का भी निधन हो गया। जयपुर के सांगानेर स्थित संघी जी जैन मंदिर में 3 जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे मुनि समर्थ सागर का गुरुवार की रात को निधन हो गया। इससे पहले मुनि सुज्ञेय सागर महाराज ने सम्मेद शिखर के लिए अपने जान दे दी थी।

मुनि समर्थ सागर महाराज का गुरुवार की मध्य रात्रि 1.20 बजे निधन हो गया। वे मुनि सुज्ञेय सागर महाराज के निधन के बाद अन्न-जल का त्याग कर आमरण अनशन पर बैठ गए थे। शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे संघी जी जैन मंदिर से मुनिश्री की डोल यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुगण शामिल हुए और आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में जैन परंपराओं के अनुसार उनके देह को पंचतत्व में विलीन किया गया। बता दें कि सांगानेर स्थित जैन समाज के मंदिर में सम्मेद शिखर को बचाने के लिए मुनि सुज्ञेय सागर अनशन पर बैठ गए थे। नौ दिनों बाद यानी मंगलवार को मुनि सुज्ञेय सागर का निधन भी हो गया था।

केंद्र सरकार का ऑर्डर गुमराह करने वाला : बिट्टू

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि सम्मेद शिखर जैन तीर्थ जैन समाज और साधु समाज में कितना महत्व रखता है, इसका अंदाजा ना केंद्र सरकार लगा रही है और ना ही झारखंड सरकार लगा रही है। पिछले 4 दिनों में मुनि समर्थ सागर महाराज दूसरे मुनिराज हैं, जिन्होंने सम्मेद शिखर जी को लेकर अपना देह त्यागा है। गुरुवार को केंद्र सरकार ने जो ऑर्डर जारी किया है, वह केवल जैन समाज को गुमराह करने के लिए जारी किया है। जिसका फायदा सत्ता के बल पर उठाया जा रहा है। अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि जो ऑर्डर जारी किया है, उससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है। क्योंकि केंद्र सरकार ने ना 2 अगस्त 2019 का गजट नोटिफिकेश रद्द किया और ना ही पर्यटक शब्द हटाया। ना ही तीर्थ स्थल की घोषणा की। इसके अलावा जो इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था, केवल उस पर रोक लगाई है, जबकि उसे रद्द करना था। झारखंड और केंद्र सरकार पत्रबाजी कर केवल फुटबाल मैच खेल रही है किंतु जैन समाज इनके षड्यंत्रों से गुमराह नहीं होगा और आंदोलन यथावत जारी रहेगा।

देह त्यागने से पीछे नहीं हटेगा जैन समाज

बिट्टू ने कहा कि मुनि सुज्ञेय सागर महाराज और मुनि समर्थ सागर महाराज के बलिदान को भुलाया नहीं जाएगा। सम्मेद शिखर जैन तीर्थ था, है और रहेगा। केंद्र और झारखंड सरकार को तीर्थ स्थल हर हाल में घोषित करना ही होगा। अगर सरकार ने समाज की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो जैन समाज मुनिराजों के मार्गों पर चलकर अपने देह त्यागने से पीछे बिल्कुल भी नहीं हटेगा। बता दें कि झारखंड के गिरिडीह जिले में अवस्थित पारसनाथ पहाड़ी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के खिलाफ देशभर में विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। पारसनाथ पहाड़ी दुनिया भर के जैन धर्मावलंबियों के बीच सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखरजी के रूप में विख्यात है।

अगर जनता कहेगी तो राजनीति से ले लूंगा संन्यास : अफजाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। बसपा सांसद अफजाल अंसारी ने 2024 लोकसभा चुनावों को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि वह क्या करेंगे, यह जनता तय करेगी। अगर जनता कहेगी तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।

हालांकि, उनमें एक और चुनाव लड़ने का माद्दा बाकी है। अंसारी ने कहा कि सबसे ज्यादा बुलडोजर का इस्तेमाल गाजीपुर में किया गया था। बुलडोजर की नीति का जवाब गाजीपुर की जनता ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान दे दिया था। बीजेपी गाजीपुर की एक भी विधानसभा सीट जीतने में कामयाब नहीं हुई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के संबंध में अफजाल अंसारी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में चंदौली, बलिया, सलेमपुर भदोही आदि

सीट भी बीजेपी बचा लेती है तो यह एक बड़ी बात कही जाएगी। अफजाल अंसारी ने बताया कि 2019 का चुनाव उन्होंने सपा-बसपा के गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था। अंसारी ने कहा कि उनके लिए जनता की राय बेहद महत्वपूर्ण है। अगर जनता कहेगी कि अफजाल अंसारी की स्थान पर किसी और को चुनाव लड़ाया जाए तो वह खुशी-खुशी राजनीति से रिटायर होने को तैयार हैं।

हरियाणा से किसानों की आवाज होगी बुलंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत नौ जनवरी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। टिकैत की राहुल गांधी से यात्रा के दौरान यह पहली मुलाकात होगी। राहुल की यात्रा उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद, शामली और बागपत से होकर हरियाणा आ गई लेकिन टिकैत वहां यात्रा में शामिल नहीं हुए। हालांकि राहुल गांधी ने टिकैत को यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया था। ऐसे में कुछ किसान तो यात्रा में शामिल हुए लेकिन टिकैत ने भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारियों को यात्रा में शामिल होने से मना कर दिया था।

नौ जनवरी को राहुल गांधी से मिलेंगे राकेश टिकैत

नौ जनवरी को भाकियू (टिकैत) के बैनर तले राकेश टिकैत राहुल से कांग्रेस शासित राज्यों में किसानों के मुद्दे पर बात करेंगे। हिमाचल प्रदेश में अभी हाल ही में कांग्रेस की सरकार बनी है, लिहाजा यहां के किसानों की बात भी होगी। सेब के बाग वाले किसानों के लिए सब्सिडी का मुद्दा उठाया जाएगा। यहां किसानों को छोटे कृषि यंत्र सब्सिडी पर सरकार दे इसकी भी बात होगी।

हिमाचल प्रदेश के कुछ मैदानी हिस्से में गन्ने की फसल भी होती है, लेकिन यहां चीनी मिल नहीं है। लिहाजा इन किसानों को अपनी फसल पांवटा साहिब के रास्ते मैदानी क्षेत्रों में भेजनी पड़ती हैं, जिससे लागत अधिक आती है। इसी तरह से छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी कांग्रेस की सरकारें हैं। यहां किसानों को मुफ्त बिजली देने की मांग की जाएगी।

टिकैत के साथ होगा 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

टिकैत के साथ 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राहुल गांधी से मिलेगा। केंद्र सरकार के एमएसपी के वादे पर भी इस दौरान चर्चा की जाएगी। चूंकि किसान आंदोलन हरियाणा की धरती पर हुआ था। इसलिए हरियाणा के किसानों के हित की बात भी होगी। इस समय गन्ने का मूल्य बढ़ाने का मुद्दा गर्म है। पंजाब ने मूल्य हरियाणा से ज्यादा कर दिए हैं। विधानसभा में कांग्रेस यह मुद्दा उठा चुकी है लेकिन सरकार के लिए गन्ने का मूल्य बढ़ाना मुश्किल साबित हो रहा है। राहुल गांधी के साथ नौ जनवरी की मुलाकात प्रस्तावित है। उनसे कांग्रेस शासित राज्यों में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए बात की जाएगी। क्योंकि आगे तभी बढ़ सकेंगे जब किसानों के हित की बात करेंगे।

कड़ाके की ठंड से कानपुर में 7 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाड़ कपाने वाली ठंड अब हृदय रोगियों के लिए खतरनाक होती जा ही है। कड़ाके की ठंड के चलते कानपुर में हृदय रोग की समस्या तेजी से बढ़ी है। कानपुर के हार्ट इंस्टीट्यूट में हार्ट के मरीजों की संख्या अचानक से बढ़ गई है, संस्थान में 24 घंटे में 7 मरीजों की मौत हो गई, कानपुर शहर में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक से अब तक 25 मरीजों की जान जा चुकी है।

हार्ट इंस्टीट्यूट से मिली जानकारी के मुताबिक, 24 घंटे के अंदर 723 मरीज इलाज के लिए लाए गए. इनमें 40 मरीज गंभीर हालत थे जिन्हें भर्ती करना पड़ा, गुरुवार को 39 मरीजों को ऑपरेशन थिएटर ले जाना पड़ा, अस्पताल में इलाज के दौरान 7 मरीजों की मौत हुई है। पूरे शहर की बात करें तो 24 घंटे में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक्स से 25 मरीजों की मौत हो गई,

कई मरीज अस्पताल तक भी नहीं पहुंच पाए और इलाज मिलने से पहले ही मौत हो गई।

विशेषज्ञों के मुताबिक कड़ी ठंड में ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिसके चलते धमनियों में रक्त का थक्का जमने की संभावना बढ़ जाती है। यही वजह है कि इस दौरान हार्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले ज्यादा आते हैं, तुरंत उपचार न मिलने पर ऐसे मामलों में मरीज की मौत भी हो सकती है। अगले कुछ दिनों तक लोगों को बहुत एहतियात बरतने की आवश्यकता है, मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार में शीतलहरी की संभावना जताई है, वहीं अगले 24 घंटे में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हल्की बारिश हो सकती है।

1.8 डिग्री तक लुढ़का सुबह का पारा, ठंड से कांपे लोग

दिल्ली। पूरे उत्तर भारत में इन दिनों ठंड का कहर अपने चरम पर है। गुरुवार को 2.2 डिग्री न्यूनतम तापमान के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए आज दिल्ली में 1.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया जो सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही। शुक्रवार की सुबह दिल्ली के आयानगर का तापमान 1.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं लखनऊ का तापमान भी हांड कपाने वाला ही बना रहा। सुबह के समय यहां का तापमान 4 डिग्री के आस-पास रहा। इस तरह लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सुबह कई पहाड़ी राज्यों से भी ठंडी रही। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण दिल्ली में जमा देने वाली ठंड पड़ रही है। चार केंद्रों सफदरजंग, आयानगर, रिज व लोदी रोड में शीत लहर का प्रकोप है। यही नहीं गुरुग्राम का भी तापमान आज तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अभी सात जनवरी तक शीतलहर का अनुमान जताया है। उसके बाद न्यूनतम व अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। अधिकतम तापमान 18-20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री तक पहुंच जाएगा।

सरकार ने जनगणना को टाला

30 जून तक बढ़ा दी गई है प्रशासनिक सीमाओं को सील करने की तारीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में जनगणना करने की कवायद को 30 सितंबर तक स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अपडेट करने की प्रक्रिया देश भर में एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक शुरू होने वाली थी लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे टाल दिया गया था। इस संबंध में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त के कार्यालय ने सभी राज्यों को भेजे पत्र में बताया कि प्रशासनिक सीमाओं को सील करने की तारीख 30 जून तक बढ़ा दी गई है।

मानदंडों के तहत, जिला, उप-जिलों, तहसीलों, तालुकों और पुलिस थानों जैसी प्रशासनिक जगहों पर अलर्ट की वजह से तीन महीने बाद ही जनगणना की जा सकती है। पत्र में यह भी कहा गया कि राज्य सरकारें 30 जून, 2023 तक प्रशासनिक सीमा में किसी भी बदलाव को लागू कर सकती हैं और अधिसूचना के माध्यम से इसकी जानकारी उन्हें दे सकती हैं।

बिहार में कल से होगी जातीय जनगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नए वर्ष की शुरुआत में ही जातीय गणना की शुरुआत होगी। पहले चरण में आवासीय मकानों की गिनती होनी है। इसकी शुरुआत पटना के वीआईपी इलाकों से होनी है, जहां अधिकारियों और विधायकों, मंत्रियों के आवास हैं। 7 जनवरी से प्रारंभ होने वाले जातीय गणना के पहले चरण में प्रत्येक मकान में नंबर डाला जाएगा। इसके आलावा घर के मुखिया का नाम और घर के सदस्यों का नाम लिखा जाएगा। 21 जनवरी तक आवासीय मकानों की गिनती होगी। बताया जाता है कि पटना जिले में कुल 45 प्रक्षेत्र बने हुए हैं। छह गणक खंड पर एक पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, यानी 2116 पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्ति किए गए हैं। सभी गणना कर्मियों को इसके लिए प्रशिक्षण दिया गया है। पहले चरण में मकानों की गिनती पूरी होने के बाद दूसरे चरण में अप्रैल महीने में प्रत्येक मकानों में रहने वाले लोगों की सम्पूर्ण जानकारी भरी जाएगी। इसके तहत जाति, पेशा सहित 26 कॉलम का फॉर्म भरा जाएगा। जातीय गणना के लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। पटना के बाद पूर्वी चंपारण, मधुबनी, समस्तीपुर, पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर जिले में गणना होगी। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार को उम्मीद है कि यह प्रक्रिया दो या तीन महीने में पूरी हो जाएगी।

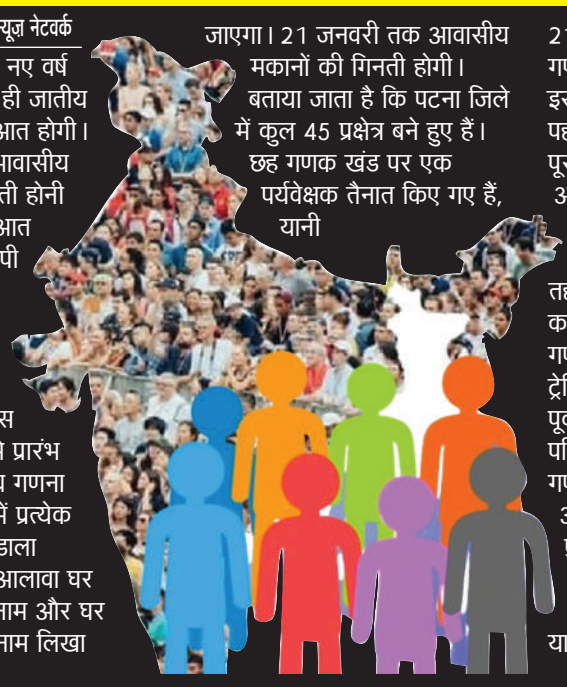

राजनाथ ने निकोबार में सैनिकों से की बातचीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह निकोबार द्वीप पहुंचे और सैनिकों के साथ बातचीत की। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में देश की एकमात्र एकीकृत सैन्य कमान की अभियानगत तैयारियों की समीक्षा की थी। रक्षा मंत्री ने पोर्ट ब्लेयर में कमान के मुख्यालय की यात्रा के दौरान द्वीपसमूह के सामरिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का भी जायजा लिया था।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया कि सशस्त्र बलों का साहस और समर्पण देश के लिए एक सुनहरा भविष्य तय करेगा । उन्होंने सैनिकों को आश्वस्त किया कि जिस तरह वे देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, उसी तरह सरकार भी उनके कल्याण के लिए हमेशा तैयार है।

गुलाम नबी आजाद को बड़ा झटका
17 नेताओं ने की कांग्रेस में वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस छोड़ कर नई पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं समेत 17 उनकी पार्टी छोड़कर वापस कांग्रेस में लौट आए। इन नेताओं में कश्मीर के पूर्व उप मुख्यमंत्री ताराचंद भी शामिल हैं। सभी की घर वापसी नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में हुई। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल वानी घर वापसी समारोह के दौरान मौजूद रहे। गौरलतब है कि आजाद ने अपनी पार्टी, डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) बनाई है और जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों में भाग लेने के अपने फैसले की घोषणा की है।

एक सप्ताह पहले अचानक गुलाम नबी आजाद को लेकर चर्चा हुई थी कि वह

कांग्रेस में वापसी कर रहे हैं। हालांकि गुलाम नबी आवाज की कांग्रेस में वापसी को लेकर बात नहीं बनी लेकिन उनके कई वरिष्ठ नेता टूटकर वापस पार्टी में आ गए हैं। तारचंद के अलावा, कांग्रेस के पाले में लौटने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री पीरजादा मोहम्मद सईद, पूर्व मंत्री डॉ. मनोहरलाल शर्मा, पूर्व विधायक बलवान सिंह और गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के जम्मू जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा शामिल हैं। 17 नेताओं के अचानक टूटकर कांग्रेस में वापसी करने के बाद डीएपी को बड़ा झटका है वहीं कांग्रेस को फायदा हो सकता है।

हाई कोर्ट के लिए 44 जजों के नाम पर मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की तरफ से भेजी गई सिफारिशों का तेजी से निपटारा किया जाएगा। 104 लंबित सिफारिशों में से 44 को शनिवार तक मंजूरी दे दी जाएगी। कोर्ट ने इस पर संतोष जताया। साथ ही बाकी सिफारिशों पर भी जल्द फैसले के लिए कहा। पिछली सुनवाई में कॉलेजियम पर कानून मंत्री के बयानों पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि वह सभी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम द्वारा सुझाए गए नामों को मंजूरी देने के लिए सर्वोच्च अदालत द्वारा निर्धारित समयसीमा का पालन करेगा। जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच के सामने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने यह आश्वासन दिया।

पिछड़ा समेत सभी समाज बसपा के साथ खड़े हैं: विश्वनाथ पाल

संवैधानिक तरीके से योगी सरकार ने नहीं लागू किया ओबीसी आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने सभी पार्टियों पर जमकर हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष की माने तो पिछड़ा समेत सभी समाज बीएसपी के साथ आ खड़ा हुआ है। ओबीसी आरक्षण को लेकर जारी तकरार के बीच उन्होंने कहा कि संवैधानिक तरीके से सरकार ने आरक्षण को लागू किया होता तो कोर्ट जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। पहले गलत तरीके से आरक्षण लागू कराया गया और बाद में कमेटी की बात की जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि बीएसपी के पक्ष में एक माहौल तैयार हुआ है और इसका असर नगर निकाय के आने वाले चुनाव में जरूर दिखाई पड़ेगा।

विश्वनाथ पाल ने कहा कि बीएसपी उत्तर प्रदेश में 10 सांसदों वाली पार्टी है और पिछले चुनावों में कुछ लोगों ने जनता को गुमराह करते हुए इसे डमी पार्टी करार दिया।पांच सांसद वाली पार्टी को चुनावी लड़ाई में दिखाया गया। बीएसपी राष्ट्रीय पार्टी है जबकि क्षेत्रीय पार्टी को चुनावी मैदान में लड़ाई में दिखाया गया, लेकिन आज बीएसपी के साथ सभी समाज है जिनके पास कोई आधार नहीं है उन्हें लड़ाई में दिखाया गया। पूरा पिछड़ा समाज आज बीएसपी के साथ खड़ा हुआ है जैसा 2007 में था।

मंदिर के गुंबद से टकराकर एमपी में ट्रेनी प्लेन क्रैश, पायलट की गई जान

देर रात हुए हादसे में प्रशिक्षु भी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा में बड़ा हादसा हो गया। एक ट्रेनी प्लेन मंदिर के गुंबद से टकरा कर क्रैश हो गया। जिससे प्लने में मौजूद पायलट और प्रशिक्षु गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में सीनियर पायलट की मौत हो गई। पायलट कैप्टन विमल कुमार 54 साल के थे। वे बिहार के पटना के रहने वाले थे। रिपोर्टर्स के अनुसार निजी प्रशिक्षण कंपनी का प्लेन मंदिर की गुंबद और बिजली के तारों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। घटना चौरहटा थाने के उमरी गांव के मंदिर के पास हुई। इस हादसे में एक पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक पायलट गंभीर रूप से घायल है। जिसे संजय गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

हादसे में प्लेन के परखच्चे उड़ गए। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण कोहरा बताया जा रहा है। उमरी हवाई अड्डे में पल्टन कंपनी का प्लेन छात्रों को प्रशिक्षण

देता था। गुरुवार की रात को 11.30 बजे पायलट कैप्टन विमल कुमार जयपुर के रहने वाले छात्र सोनू यादव को प्रशिक्षण दे रहे थे। प्लेन उड़ान भरने के बाद मंदिर के गुंबद से टकरा गया। जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ और प्लेन क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकले तो प्लेन क्षतिग्रस्त मिला।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए संजय गांधी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जिसमें पायलट की गुरुवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि छात्र की हालत गंभीर है, जिसका इलाज जारी है।

उड़ान में किसी भी अनुचित व्यवहार की तत्काल सूचना दें : एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया के विमानों में हुई हालिया घटना के बाद एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि उड़ान में किसी भी अनुचित व्यवहार की तुरंत जानकारी दें। एयरलाइन कर्मचारियों के साथ एक आंतरिक बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं में हम प्रभावित यात्री की पीड़ा को पूरी तरह से समझते हैं। बात जितनी बताई गई थी, उससे कहीं अधिक पेचीदा है। हमें इससे सबक लेना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।